अपहरण की साजिश का पर्दाफाश

बेटी को उसका प्रेमी माँ की सहमति से भगा ले गया था, बदनामी से बचने के लिए रचा गया था योजना का तानाबाना

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 01 जुलाई। शिवपुरी के माहौल में उस समय सनसनी का वातावरण व्याप्त हो गया जब यह खबर सामने आई मेडीकल कॉलेज से एक नवविवाहिता का काली कार में सवार पांच आरोपियों ने अपहरण कर लिया। इसके पश्चात शहर में तनाव फैल गया और नवविवाहिता के परिजन पुलिस के खिलाफ एक जुट हो गए और उन्होंने पुलिस मुर्दाबाद के नारे जमकर लगाए तथा बीच चौराहे पर चक्का जाम कर दिया। परिजनों के साथ पोहरी के कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह भी हंगामे में शामिल हो गए और उन्होंने अल्टीमेटम दे दिया कि यदि पुलिस एक जुलाई मंगलवार को सुबह 9 बजे तक युवती को बरामद कर अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार नहीं करती तो वे शहर में चक्का जाम कर पुलिस के खिलाफ आंदोलन करेंगे, लेकिन इस मामले की हवा तब निकल गई जब दिनभर चली अफवाहों, चक्काजाम और पुलिस की खोजबीन के बाद रात में ये पता चला कि ये कोई अपहरण नहीं बल्कि एक सोची-समझी प्रेम कहानी का च्प्लॉट' था, जिसे समाज में बदनामी से बचने के लिए परिजनों ने किडनैपिंग का नाम दे दिया। जिस युवती प्रीति परिहार के अपहरण का आरोप लगाया जा रहा था उसकी ताई मिथलेश परिहार ने खुद स्वीकार कर लिया कि उसने स्वयं अपहरण की साजिश की थी। घटना की शुरुआत सोमवार दोपहर चार बजे हुई, जब रामनगर की रहने वाली मिथलेश परिहार ने कोतवाली पहुंचकर बताया कि उसकी बेटी प्रीति परिहार उम्र 20 वर्ष का मेडिकल कॉलेज से लौटते समय अपहरण हो गया है। मिथलेश के मुताबिक, जब वे दोपहर डेढ़ बजे ऑटो में मेडिकल कॉलेज से निकलीं, तभी 500 मीटर दूर एक काली कार ने ऑटो को रोका। उसमें से 5 लोग बाहर निकले और मिथलेश को धक्का देकर नीचे गिरा दिया और बेटी प्रीति को जबरन गाड़ी में डालकर ले गए। उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें कोई नशीली चीज सुंघाई गई, जिसके कारण वो विरोध नहीं कर पाई। प्रीति की मां का बचपन में ही निधन हो गया था। उसके पिता शराब के आदी थे। ऐसे हालात में उसकी ताई मिथलेश परिहार ने उसे अपनी बेटी की तरह पाला-पोसा और शादी करवाई। लेकिन जब बेटी ने बोला की वो अपने प्रेमी के बिना नहीं रह सकती और जहर खा लेगी तो मां ने ये साजिश रची। विदित रहे कि रामनगर निवासी 20 साल की प्रीति परिहार की दो महीने पहले 30 अप्रैल को बैराड़ में अनिकेत परिहार से शादी हुई। शादी के दो साल पहले से ही उसका प्रेम प्रसंग कानपुर निवासी अमन कश्यप के साथ चल रहा था। प्रेम विवाह समाज को मंजूर नहीं था, इसलिए पहले समाज के युवक से प्रीति की शादी कराई गई।

इसके बाद योजना बनाई गई कि कुछ दिन बाद अमन के साथ भागने को अपहरण का रूप दिया जाएगा। मिथलेश ने अपने बेटे दीपक की मदद से ये साजिश रची। दीपक भी घटना के समय शिवपुरी में ही मौजूद था। कोतवाली टीआई कृपाल सिंह राठौड़ का कहना है कि यह पूरा मामला झूठे अपहरण की कहानी पर आधारित था। पुलिस प्रीति को बरामद कर जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करेगी।

पोहरी विधायक ने पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप

अपहरण की खबर मिलते ही नवविवाहिता के ससुराल और मायके पक्ष के लोग कोतवाली पहुंच गए और हंगामा करने लगे। उन्होंने हंगामे के बाद रात 9 बजे माधव चौक पर चक्काजाम कर दिया। इसी बीच पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह भी मौके पर पहुंचे और पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सुबह तक युवती नहीं मिली तो मंगलवार सुबह फिर से चक्काजाम किया जाएगा। ये बात उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट की।

सीसीटीवी खंगाले तो सामने आई सच्चाई

शुरुआत में पुलिस को मिथलेश की बातों पर संदेह हुआ, क्योंकि पूछताछ में वो बार-बार बेहोश होने का नाटक कर रहीं थी। जब कोई ठोस सुराग नहीं मिला, तो पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया। मेडिकल कॉलेज से लेकर माधव चौक तक के फुटेज में प्रीति और मिथलेश को ऑटो में बैठकर आते, उतरते और फिर मिर्ची बाजार की ओर जाते हुए देखा गया। ये सब डेढ़ बजे के बाद की गतिविधियां थीं, जिससे पता चला कि अपहरण की कहानी झूठी थी। पुलिस ने मां मिथलेश को सीसीटीवी फुटेज दिखाए। इसके बाद उसने बताया कि ये पूरा मामला समाज में बदनामी से बचने के लिए रचा गया था। प्रीति अपने प्रेमी अमन कश्यप से शादी करना चाहती थी, जो कि कानपुर का निवासी है और तीन साल से शिवपुरी के रामनगर टोल प्लाजा पर काम कर रहा है। दोनों के बीच दो साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

प्रेमी के साथ भागकर कानपुर पहुंची प्रीति

पुलिस की जांच में सामने आया कि अमन कश्यप सोमवार दोपहर अपनी कार से शिवपुरी आया और प्रीति को लेकर सीधे कानपुर निकल गया। पुलिस ने भाई दीपक को अपनी बहन प्रीति परिहार को फोन लगाने कहा और उससे बाद की। जैसे ही सच्चाई सामने आई, कोतवाली पुलिस रात ढाई बजे कानपुर रवाना हो गई है।

मेडिकल कॉलेज में मनाया गया नेशनल डॉक्टर्स डे, केक काटकर दी बधाई

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 01 जुलाई। हर वर्ष एक जुलाई को हम भारत के सबसे सम्मानित चिकित्सकों और राजनेताओं में से एक डॉ विधान चंद्र राय के सम्मान में डॉक्टर्स डे मनाते हैं। इसी क्रम में आज श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, शिवपुरी में अधिष्ठाता डॉक्टर डी. परमहंस के मार्गदर्शन,चिकित्सालय अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष चौऋषि के नेतृत्व में डॉक्टर्स डे धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान डॉक्टरों ने केक काटा और चिकित्सीय जीवन के दौरान प्राप्त किए गए अनुभव बांटे। इस दौरान बड़ी संख्या में शहर के ख्यातिलब्ध चिकित्सक मौजूद रहे।

डॉक्टर्स डे की बधाई देते हुए अधिष्ठाता डॉक्टर डी. परमहंस ने कहा कि डॉक्टर वे होते हैं जिनके पास आप अपने सबसे कमजोर क्षणों में जाते हैं। जब आप बीमार होते हैं, दर्द में होते हैं, भयभीत होते हैं, या आपको यह पता नहीं चल पाता कि आपके शरीर के साथ क्या हो रहा है. वे आपको सुनते हैं, समस्या का निदान करते हैं, इलाज करते हैं और मार्गदर्शन करते हैं। वे अपनी चिंताओं के साथ-साथ आपकी चिंताओं का बोझ भी उठाते हैं। डॉक्टरों के लिए उनका जीवन मरीजों की सेवा और अपने परिवारों की देखभाल के बीच निरंतर संतुलन बनाये रखने का काम है- एक ऐसा संतुलन जो अक्सर उनके मरीजों के पक्ष में झुका रहता है। पर हम सब इस बारे में पर्याप्त बातें नहीं करते कि कैसे डॉक्टर हमारे पास मौजूद रहने के लिए अपने परिवार के समय में कटौती करते हैं। सच तो यह है कि कई डॉक्टर आपको एक शांत आह भरते हुए बताते होंगे कि वे कौन सी जन्मदिन की पार्टियों में, कौन से स्कूल कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाये। अपने बच्चे के पहले शब्द या कदम सुन-देख नहीं पाये, क्योंकि वे ड्यूटी पर थ कल्पना कीजिए, एक सर्जन आपातकालीन ऑपरेशन के लिए तैयार हो रहा है, जबकि उसका बच्चा घर पर केक काट रहा है. या एक बाल रोग विशेषज्ञ किसी और के बीमार बच्चे की देखरेख कर रहा है, जबकि उसका अपना बच्चा बुखार में तप रहा है। या आइसीयू में मौजूद एक डॉक्टर परिवार के साथ डिनर करने से चुक जाता है क्योंकि वह गंभीर रूप से बीमार एक रोगी का उपचार कर रहा है. यही वास्तविकता है। नेशनल डॉक्टर्स डे के दौरान मेडिकल कॉलेज एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. इला गुजारिया, कम्यूनिटी मेडिसिन विभागायध्यक्ष डॉ. राजेश अहिरवार, ई एन टी विभागाध्यक्ष डॉक्टर धीरेंद्र त्रिपाठी,सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ अनंत राखोन्डे, ऑर्थोपेडिक्स विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज शर्मा, विभागाध्यक्ष डॉक्टर अपराजिता तोमर, विभागाध्यक्ष डॉक्टर प्रियंका गर्ग, डॉ. धर्मवीर शर्मा, डॉक्टर शिखा जैन सहित समस्त वरिष्ठ चिकित्सक शिक्षक, चिकित्सकगणों ने केक काटकर एक दूसरे को बधाई दी।

सहरिया परिवारों की भैंसें छीनकर उपजीविका छीनी,पाँच लोगों पर एफआईआर दर्ज

नवभारत न्यूज
पोहरी,1 जुलाई। अत्यंत पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) वर्ग के सहरिया परिवारों की आजीविका में बाधा डालने वाले प्रभावशाली व्यक्तियों पर जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। जिला कलेक्टर रविंद्र चौधरी के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पोहरी मोतीलाल अहिरवार द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधित 2015) तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 3(1)(जेडए)(ई) के अंतर्गत पाँच आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री दुग्धारू पशु प्रदाय योजना के अंतर्गत सहरिया जनजाति के हितग्राहियों को आजीविका हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा दो-दो भैंसें प्रदाय की गई थीं। किन्तु कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों ने इन सहरिया परिवारों से भैंसें जबरन छीन लीं और उनका दूध स्वयं के उपयोग में लेने लगे। जिला प्रशासन द्वारा इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित आरोपियों से भैंसें मुक्त करवाई गईं और मूल सहरिया हितग्राहियों को पुनः सुपुर्द की गईं। यह कार्रवाई अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के अधिकारों की रक्षा तथा योजनाओं के वास्तविक लाभार्थियों तक लाभ पहुँचाने की दिशा में एक सख्त संदेश है। कार्यवाही के समय तहसीलदार पोहरी निशा भारद्वाज, तहसीलदार बैराड़ दृगपाल सिंह बैस, नायब तहसीलदार गोवर्धन अजय परसेडिया, पशु चिकित्सा अधिकारी पोहरी अतुल राजपूत, पशु चिकित्सा अधिकारी बैराड़ अर्चना धाकड़, ग्राम पटवारी रंजीत जाटव सहित संयुक्त दल उपस्थित रहा। संपूर्ण कार्रवाई अनुविभागीय अधिकारी मोतीलाल अहिरवार के नेतृत्व में संपन्न हुई। जिला कलेक्टर रविंद्र चौधरी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भविष्य में यदि कोई व्यक्ति अनुसूचित जाति अथवा जनजाति की योजनाओं से लाभान्वित परिवारों की आजीविका में बाधा पहुँचाता पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिन व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई, उनके नाम इस प्रकार हैं:सुरजीत जाट, निवासी ग्राम बमरा, तहसील पोहरी, गजेन्द्र यादव, निवासी ग्राम देवपुरा, तहसील बैराड़, महेन्द्र यादव, निवासी ग्राम भिलौड़ी, तहसील बैराड़, रहमान खान, निवासी ग्राम खटका, तहसील बैराड़, भरत उर्फ लल्लो परिहार, निवासी ग्राम खटका, थाना गोपालपुर, तहसील बैराड़ के नाम शामिल हैं।

अपहृत नाबालिग बालक को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया

शिवपुरी। दिनारा थाना पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत अपहृत नाबालिग बालक को 28 घंटे के भीतर ही सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। जानकारी के अनुसार दिनांक 29.06.2025 की रात्रि मे फरियादी द्वारा अपने नाबालिक लडके उम्र 14 साल को घर से बिना बताये चले जाने के संबध में थाना दिनारा पर रिपोर्ट किया उपरोक्त रिपोर्ट पर से थाना दिनारा पर अपराध क्रमांक 154/2025 धारा 137(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया। आज अपह्रत बालक उम्र 14 को दस्तयाब कर उसके परिजनो को सुपुर्द किया गया। उक्त कार्यवाही में उनि अमित चतुर्वेदी थाना प्रभारी दिनारा, प्रआर अंजीत तिवारी, आर0 शिवम, आर. देवेश तोमर, आर. सदीप राठौर, सैनिक विशाल शर्मा की सरहानीय भूमिका रही।

ग्राम सभाओं की महत्ता और जनप्रतिनिधियों की भूमिका

नवभारत न्यूज
पोहरी। पंचायत इंस्पेक्टर राकेश सिंह रघुवंशी ने ग्राम सभाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हर ग्राम पंचायत में प्रति वर्ष चार ग्राम सभाएं आयोजित होती हैं:
पहली ग्राम सभा:27 जनवरी को (पहले 26 जनवरी को होती थी)। दूसरी ग्राम सभा: 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर। तीसरी ग्राम सभा:16 अगस्त को।अंतिम ग्राम सभा: 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती पर। रघुवंशी ने सभी प्रतिनिधियों से इन ग्राम सभाओं में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने और अपने गांव की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करने का आग्रह किया।

पंचायत प्रतिनिधियों का दायित्व और टीबी उन्मूलन में योगदान: विकास संवाद ने जनप्रतिनिधियों को यह भी समझाया कि परियोजना में ग्राम पंचायतें कैसे अपनी भूमिका निभा सकती हैं। यह बताया गया कि प्रत्येक पंच अपने वार्ड की जिम्मेदारी लेता है, जिसमें स्वास्थ्य, पोषण, पेयजल, स्वच्छता और रोजगार जैसी समस्याओं का समाधान शामिल है। पंच अपने वार्ड की समस्याओं को ग्राम सभा या ग्राम पंचायत की बैठक में उठाएंगे, जिसके आधार पर पंचायत की योजना बनेगी और उस पर कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि वार्ड और पंचायत को टीबी मुक्त बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों को आगे आना होगा। सभी पंच, सरपंच, उप सरपंच और सचिव को अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी होगी कि वे समुदाय में टीबी पर जागरूकता बढ़ाने और लोगों का सहयोग करने में कैसे मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसी सरकारी योजनाओं को लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया गया जो सीधे स्वास्थ्य और टीबी जैसे मुद्दों पर लाभ पहुंचा सकें।

पंचायत प्रतिनिधियों का टीबी रोकथाम पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

पोहरी को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में अहम कदम

नवभारत न्यूज
पोहरी,1 जुलाई। विकास संवाद ने अमेरिका के सहयोग से पोहरी ब्लॉक के दस गांवों में संचालित टीबी निवारण परियोजना के तहत, आज ग्राम पंचायत उपसील के जनप्रतिनिधियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन जनपद पंचायत सभागार में विकास संवाद एवं जनपद पंचायत पोहरी के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों को टीबी संक्रमण की रोकथाम और समुदाय में जागरूकता बढ़ाने में उनकी भूमिका के बारे में शिक्षित करना था, ताकि पोहरी को टीबी मुक्त बनाया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद पंचायत पोहरी के पंचायत इंस्पेक्टर राकेश सिंह रघुवंशी, पीसीओ सतीश जैन, पंचायत सचिव दिनेश वर्मा, उप सरपंच और वार्ड पंचों सहित कुल 22 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विकास संवाद पोहरी से जिला समन्वयक अजय यादव, फील्ड कार्यकर्ता देवेंद्र आदिवासी और राजू वर्मा भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ और परियोजना का परिचय:कार्यक्रम की शुरुआत विकास संवाद के जिला समन्वयक अजय यादव द्वारा आपसी परिचय के साथ हुई। उन्होंने टीबी निवारण परियोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की, जिसमें शासन-प्रशासन और समुदाय के सहयोग से इस मॉडल को कैसे स्थापित किया जा रहा है, इस पर गहन चर्चा की गई। चर्चा का मुख्य केंद्र टीबी संक्रमण, टीबी रोकथाम, और समुदाय में जागरूकता बढ़ाने के उपाय थे। टीबी मुक्त पंचायतज बनाने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि प्रत्येक व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

दर-दर की ठोकरें खा रही गौमाता कचरे के ढेर में जीवन तलाश रही

जितेन्द्र गोस्वामी
बदरवास, 01 जुलाई। बरसात का मौसम आते ही गौवंश की स्तिथि और भी दयनीय हो जाती हैं गायें अब भोजन और आश्रय की तलाश में सड़कों पर ही भटक रही है,उन्हें क्षेत्र में उचित देखभाल भी नहीं मिल पा रही है जिसके चलते अधिकतर गौवंश सड़क पर ही दिखता है खड़ा हो बैठा हो वह अलग बात हैं अक्सर वह दुर्घटना का शिकार भी हो जाता है जिसका प्रमुख कारण उन्हें कहीं भी कोई भी चिन्हित भूमि नहीं हैं,सरकार ने गौशालाएं बनवाई उनमें एक भी गौवंश नहीं पाला जा रहा है वह पहले की तरह ही रोड़ पर हैं, कूड़े कचरे के ढेर में जीवन तलाश रही है, सरकार की लाखों की लागत की गौशालाएं वीरान पड़ी हैं, गौवंश के नाम पर जो गौशालाएं बनवाई वो कमीशनखोरी की भेंट चढ़ गई उनमें गौवंश का न होना सरकार की नाकामी और जिम्मेदारों की उदासीनता को दर्शाता है यह स्थिति गायों की दयनीय दशा को दर्शाती है, जो कि हिन्दू धर्म में पवित्र और पूजनीय मानी जाती हैं।

ग्राम पंचायतों में चिन्हित शासकीय भूमि पर ग्रामीणों का कब्जा: क्षेत्र की अधिकतर ग्राम पंचायतों में शासकीय भूमि कहीं भी दिखाई नहीं देगी,जंगल से लगे गांव छोड़ दे तो,अधिकतर गांवों में शासकीय भूमि पर ग्रामीणों ने कब्जा जमा रखा है जिसको हटाना अब सरकार की जिम्मेदारी हैं जो कब्जामुक्त कराकर गौमाता को भूमि उपलब्ध कराई जाई, जिम्मेदार अगर इस ओर ध्यान दे लें तो गौवंश को जगह मिल सकती हैं।

जिम्मेदारों की उदासीनता से बंद पड़ी गौशालाएं

कोलारस विधानसभा में दो दर्जन से अधिक गौशालाएं बन कर तैयार हैं जिनका विधिवत शुभारंभ भी किया गया था लेकिन अब वही गौशालाएं वीरान पड़ी हैं एक दो का अपवाद छोड़ दे तो अधिकतर बंद पड़ी हैं किसी का गेट टूटा तो किसी के टीन शेड टूटे दिखाई रहे हैं जिनमें एक भी गौवंश नहीं है लेकिन अगर जिम्मेदार इस ओर ध्यान दे ले तो यह समस्या जल्द ही सुलझ सकती हैं गौवंश को सड़क से छत नसीब हो जायेगी ,उनका जीवन बेहतर हो जायेगा,और सरकार का उद्देश्य भी पूरा होता दिखाई देगा,दुर्घटनाओं में भी कमी आयेगी,यह तो अब यह जिम्मेदार ही जाने हम चेता सकते हैं करना तो उन्हीं जिम्मेदारों को होगा।

बामौरकलां पुलिस ने हत्या के मामले में 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 01 जुलाई। बामौरकलां थाना पुलिस ने जमीनी विवाद के चलते मारपीट कर हत्या करने के मामले में गंभीरता से कार्रवाई करते हुए फरार 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार 27 जून को फरियादी इन्द्रपाल पुत्र बृगभान यादव उम्र 29 साल निवासी ग्राम खिरिया थाना बामौरकलां जिला शिवपुरी ने थाना उपस्थित आकर आरोपीगणों महेश सेन,नीलम यादव, नाहर सिंह यादव, बुन्देल यादव, रावसाहब यादव, संजीव सेन, अनिल सेन निवासीगण ग्राम खिरिया, राजीव सेन, उस्ताज सेन, संदीप सेन, रिंकेश सेन निवासीगण नयागांव, रामदयाल सेन, धर्मेन्द्र सेन निवासीगण कालीपहाडी के विरूद्ध जमीनी विवाद पर से आरोपीगणों द्वारा लाठी, डण्डे, फरसा, कुल्हाडी से फरियादी इन्द्रपाल, मृतक बृगभान यादव, मजरूब सालिगराम यादव, मजरूब रामराजा यादव, मजरूब लालसाहब यादव, मजरूब अरविंद यादव, मजरूब कृष्णपाल यादव एवं मजरूब वीरपाल यादव की एक राय होकर जान से मारने की नियत से हमला कर मारपीट की थी जिससे आई चोटों के कारण बृगभान यादव की मृत्यू हो गई थी एवं अन्य मजरूबों को गंभीर चोटे आई। फरियादी की रिपोर्ट पर से आरोपीगणों के विरूद्ध थाना बामौरकलां में अपराध क्रमांक 78/2025 धारा 103 (1), 109, 191(2), 191(3).190, 115(2), 3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आज पुलिस को अपरान्ह मुखबिर की सूचना पर से प्रकरण में फरार आरोपीगणों उस्ताज पुत्र स्व0 उम्मेद सेन उम्र 50 साल, राजीव पुत्र उस्ताज सेन उम्र 24 साल, संजीव पुत्र उस्ताज सेन उम्र 18 साल निवासीगण ग्राम नयागांव एवं संजीव उर्फ संदीप पुत्र महेश सेन उम्र 23 साल निवासी ग्राम खिरिया को दबिश देकर गिरफ्तार किया गया।

एक स्थाई वारण्टी को किया गिरफ्तार

शिवपुरी। बैराड़ थाना पुलिस ने डेढ़ साल से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है। बैराड़ थाना प्रभारी निरीक्षक रविशंकर कौशल माननीय जेएमएफसी न्यायालय पोहरी के प्रकरण क्रमांक 561/21 मे डेढ़ साल से फरार चल रहे स्थाई वारण्टी अजय पुत्र दोलीराम बाल्मीक उम्र 24 साल निवासी ऊंची बरोद थाना बैराड जिला शिवपुरी को गिरफ्तार माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया। उक्त कार्रवाई में निरी रविशंकर कौशल, प्रआर. महावीर गोस्वामी, प्रआर. इकबाल अहमद, की विशेष भूमिका रही।

अमोला पुलिस ने 60 लीटर कच्ची शराब व 75 हजार रुपये की बाइक जब्त की, एक आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज
शिवपुरी, 01 जुलाई। अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अमोला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 60 लीटर देशी कच्ची शराब और 75 हजार रुपये कीमत की बिना नंबर की पल्सर मोटरसाइकिल जब्त की है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले, एसडीओपी करैरा शिवनारायण मुकाती के नेतृत्व में अमोला थाना प्रभारी अंशुल गुप्ता और प्रधान आरक्षक दीपक उपाध्याय को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति बिना नंबर की काले-लाल रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर दो पीले रंग के प्लास्टिक के जरिकेन बांधकर छान की ओर से पुराना अमोला की ओर आ रहा है, जिनमें अवैध शराब भरी हुई है। सूचना की पुष्टि हेतु पुलिस टीम छान रोड पर पहुंची, जहाँ मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए का व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस बल की मदद से उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम रामकेश लोधी (उम्र 35 वर्ष), निवासी ग्राम पारेश्वर, थाना पिछोर, जिला शिवपुरी बताया। आरोपी के कब्जे से कुल 60 लीटर कच्ची शराब और मोटरसाइकिल बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय करैरा में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अंशुल गुप्ता, सहायक उपनिरीक्षक हरदयाल जोशी, प्रधान आरक्षक दीपक उपाध्याय, आरक्षक रामलक्ष्मण मदुरिया, गजेन्द्र शर्मा, संजीव श्रीवास्तव, अतर सिंह, रामनरेश राठौर एवं नीतेन्द्र सिंह का विशेष योगदान रहा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में 13 अगस्त को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

शिवपुरी। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवपुरी में यादव समाज द्वारा भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शोभायात्रा का पर्व दिनांक 13 अगस्त 2025 (बुधवार) को पूरे श्रद्धा, उल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं की झांकियां, बैंड-बाजे, घोड़े, रथ, धर्मध्वज एवं समाज की एकता का भव्य प्रदर्शन देखने को मिलेगा। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए नगरवासियों को धर्म, भक्ति और संस्कृति से जोड़ेगी।यादव समाज युवा संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करना है, बल्कि समाज के हर वर्ग को जोड़कर एकता, संस्कार और संगठन शक्ति का परिचय देना भी है।